मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 114, मुंबई, शुक्रवार, 10 जुलाई, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

गैंगस्टर विकास दुबे उज्जैन से

गिरफ्तार

पुलिस ने बताया– 8 घंटे पूछताछ के बाद विकास को यूपी एसटीएफ के सुपुर्द किया, पर उज्जैन में उस पर केस दर्ज नहीं

गिरफ्तारी के वक्त चिल्लाया था हिस्ट्रीशीटर- विकास दुबे हूं, कानपुर वाला

संवाददाता

उज्जैन। गिरफ्तारी के करीब 12 घंटे बाद उज्जैन पुलिस ने साफ किया कि विकास दुबे को यूपी एसटीएफ के हवाले कर दिया गया है। लेकिन, इस बात की जानकारी देने के लिए सामने आए उज्जैन के एसपी मनोज कुमार उस वक्त सवालों के घेरे में आ गए, जब उन्होंने कहा कि विकास के खिलाफ उज्जैन में केस दर्ज नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि पूरी कार्रवाई पारदर्शी तरीके से की गई है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

सोचा-समझा सरेंडर

मौत का खौफ 'महाकाल' तक ले आया

अखिलेश यादव ने कहा- पुलिस बताए यह गिरफ्तारी है या सरेंडर?

अखिलेश यादव ने कहा– 'कानपुर–काण्ड' का मुख्य अपराधी पुलिस की हिरासत में है। सरकार साफ करे कि ये आत्मसमर्पण है या गिरफ़्तारी। साथ ही उसके मोबाइल की सीडीआर सार्वजनिक करे जिससे सच्ची मिलीभगत का भंडाफोड़ हो सके।

विकास दुबे की पत्नी और बेटा हिरासत में, नौकर भी दबोचा गया

कानपुर गोलीकांड के आरोपी और गैंगस्टर विकास दुबे की पत्नी ऋचा दुबे और बेटे को भी लखनऊ के कृष्णानगर इलाके में हिरासत में ले लिया गया है। किसी भी वक्त गिरफ्तारी हो सकती है। उसके नौकर को भी पकड़ लिया गया है। इस बीच उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने गैंगस्टर विकास दुबे को हिरासत में ले लिया है और पुलिस उसे कानपुर लेकर आ रही है। वह मध्य प्रदेश पुलिस के द्वारा गिरफ्तार नहीं किया गया था इसलिए ट्रांजिट रिमांड की जरुरत नहीं पड़ी। कानपुर में पिछले हफ्ते 8 पुलिसकर्मियों की हत्या के मुख्य आरोपी विकास दुबे की पत्नी ऋचा दुबे भी लगातार चर्चा में हैं। ऋचा को लेकर नया खुलासा हुआ। विकास की पत्नी ऋचा दुबे ने साल 2015 में गांव में समाजवादी पार्टी (सपा) की सदस्यता ली थी। इसी साल उसने सपा के स्वघोषित समर्थन से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव भी लड़ा था।

ईडी ने नीरव मोदी पर कसा शिकंजा

भगोड़े कारोबारी की 300 करोड़ से ज्यादा की सम्पत्ति ईडी ने जब्त की

इसमें लंदन और यूएई के फ्लैट भी शामिल

संवाददाता

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पीएनबी घोटाले में आरोपी हीरा कारोबारी नीरव मोदी पर बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने बताया कि भगोड़े आर्थिक अपराध अधिनियम के तहत नीरव मोदी की 300 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति जब्त की गई है। खबर के अनुसार, ईडी ने नीरव की 329.66 करोड़ की संपत्ति जब्त की है। इन संपत्तियों में वर्ली मुंबई की आइकॉनिक बिल्डिंग समुद्र महल के चार फ्लैट, एक सी-साइड फार्महाउस, अलीबाग में जमीन, जैसलमेर में पवन चक्की, लंदन में फ्लैट और संयुक्त अरब अमीरात में रेजिडेंशियल फ्लैट, शेयर और बैंक में जमा राशि भी शामिल है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

हर दिन आने लगे कोरोना के हजारों केस

टेंशन में आई योगी सरकार ने लगाया लॉकडाउन

संवाददाता

लखनऊ। पिछले एक हफ्ते में उत्तर प्रदेश में कोरोना की रफ्तार बढ़ गई है। चार-पांच दिन से हर दिन कम से कम एक हजार नए केस दर्ज किए जा रहे हैं। ऐसे में कोरोना के खतरे को बढ़ता देख उत्तर प्रदेश सरकार ने 10 जुलाई से 13 जुलाई तक के लिए लॉकडाउन आगे बढ़ा दिया है। इस दौरान केवल जरूरी सेवाओं की अनुमति होगी, बाकी सभी सेवाएं तीन दिन के लिए बंद रहेंगी। यूपी में भी तक कोरोना के कुल मरीजों की संख्या 32362 हो गई है। प्रदेश में पिछले तीन दिनों में ही कोरोना के कुल 3790 नए कोरोना केस आए हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

हवा और सावधानी

कोरोना हवा के जरिए कहीं भी फैल सकता है, यह बात अब न सिर्फ तय हो गई है, बल्कि इसे लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन नए दिशा-निर्देश भी जारी करने वाला है। मार्च में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा था कि हवा के जरिए कोरोना के फैलने की गुंजाइश ज्यादा नहीं है। हवा के जरिए फैलने का खतरा वहीं ज्यादा है, जहां कोई कोरोना मरीज है। ऐसे में, केवल कोरोना मरीजों की सेवा में लगे चिकित्साकर्मियों को ही सावधान किया गया था। लेकिन अब पहली बार विश्व स्वास्थ्य संगठन ऐसे सुबूतों को मानने की प्रक्रिया में है, जिनसे साबित होता है कि कोरोना संक्रमण हवा के जरिए हो सकता है और हो रहा है। संगठन से इस पर विचार की मांग पहले भी हो रही थी। चीन में मार्च महीने में ही 75,465 कोरोना मरीजों की विवेचना के बाद बताया गया था कि कोरोना हवा के जरिए नहीं फैलता। कोरोना के विषाणु ज्यादा समय तक हवा में नहीं रह सकते, उड़कर ज्यादा दूर नहीं जा सकते, लेकिन ताजा अध्ययन से पता चलता है कि मार्च में बनी वह धारणा सही नहीं थी। कोरोना विषाणु काफी देर तक हवा में रह सकते हैं और जरूरी नहीं कि पास कोई कोरोना मरीज हो, तभी संक्रमण हो। यह एक ऐसा खुलासा है, जिसकी पड़ताल आने वाले दिनों में विश्व स्वास्थ्य संगठन बहुत गहराई से करेगा और उसके बाद ही वह किसी ठोस नतीजे पर पहुंचेगा। ठोस नतीजे पर पहुंचना जरूरी है, क्योंकि अगर वाकई हवा के जरिए कोरोना फैल रहा है, तो फिर मास्क लगाने, बार-बार हाथ धोने और शारीरिक दूरी बरतने के बुनियादी उपायों के आगे भी हमें सोचना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन को इस खतरे से आगाह करने के लिए 239 वैज्ञानिकों को उसे खुला पत्र लिखना पड़ा है। उन सभी वैज्ञानिकों का आभार, जिन्होंने कुछ देर से ही सही, लेकिन यह जरूरी रहस्योद्घाटन खुद आगे बढ़कर किया है। वैज्ञानिकों से ऐसी ही जरूरी दूसरी कोशिशों की उम्मीद है। आज दुनिया में संक्रमितों की संख्या 1.20 करोड़ के करीब पहुंच चुकी है और जान गंवाने वालों की संख्या 5.50 लाख पार करने वाली है। ऐसे निर्णायक समय में कोरोना से जुड़ी छोटी से छोटी जानकारी भी लोगों के लिए बहुत कारगर हो सकती है। हवा से सावधान रहने की जरूरत है। भीड़भाड़, बंद, कम हवादार जगहों पर खतरा ज्यादा है। ऐसी खबरें लगातार आ रही हैं कि लोग घर से बाहर निकलने के बावजूद मास्क नहीं लगा रहे हैं। शारीरिक दूरी रखने की अनिवार्यता के पालन में कोताही बरत रहे हैं। भारत में कोरोना के दिनोंदिन बढ़ते आंकड़े गवाह हैं कि सावधानी में कमी हुई है। लोग अभी भी यही सोच रहे हैं कि मुझे नहीं होगा। इसी सोच की वजह से सात लाख से ज्यादा लोगों को कोरोना हो चुका है। बड़ी संख्या में लोग मर रहे हैं। हवा के रुख और हवा में खतरे की मौजूदगी महसूसते हुए सोच को बदलना होगा। बचाव के दिशा-निर्देशों और सजग वैज्ञानिकों की सलाह पर सौ फीसदी कान देना होगा। सार्वजनिक और बंद जगहों पर ऐसे हवा शोधक यंत्रों की जरूरत अब पहले की तुलना में बहुत बढ़ गई है, जो विषाणुओं को अपनी ओर खींचकर खत्म करते हैं। साफ-सफाई रखने और वायु प्रदूषण कम से कम रखने में ही भविष्य है। सावधान, खतरा बढ़ रहा है, तो सावधानियों की व्यापकता और गुणवत्ता, दोनों ही बढ़ना तय है।

अपने ही बुने जाल में फंसा चीन

भारत और चीन की सीमा रेखा करीब 3500 किलोमीटर लंबी है। यह लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक फैली है। इसे तीन भागों में बांटा गया है। पश्चिम जिसमें लद्दाख है, मध्य जिसमें हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड है एवं पूर्व जिसमें सिक्किम से लेकर अरुणाचल प्रदेश की सीमाएं हैं। मौजूदा तनाव मई 2020 के पहले सप्ताह से वैसे तो सिक्किम में शुरू हुआ था, लेकिन धीरे-धीरे यह लद्दाख तक पहुंच गया। 15 जून की रात्रि में गलवन घाटी में दोनों सेनाओं के बीच बगैर घातक हथियारों के हिंसक संघर्ष हुआ जिसमें भारतीय सेना के 20 और चीनी सेना के 40 से ज्यादा सैनिक मारे गए। 1975 के बाद से भारत और चीनी सेना के बीच यह पहला हिंसक सीमाई संघर्ष था। 2017 में 73 दिनों तक डोकलाम में भारतीय और चीनी सेना आमने-सामने खड़ी रही थी। तब चीनी सेना को पीछे हटना पड़ा था। अप्रैल 2018 में प्रधानमंत्री मोदी चीन के आमंत्रण पर वहां के शहर वुहान में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से शिखर वार्ता के लिए गए थे। उसमें कई दौर की वार्ता हुई थी जिसमें मूलतः आपसी विश्वास को मजबूत करने पर जोर दिया गया। इसके बाद अक्टूबर 2019 में चीनी राष्ट्रपति दूसरे शिखर वार्ता के लिए चेन्नई के पास महाबलीपुरम आए। इसमें भी आपसी विश्वास बढ़ाने पर जोर दिया गया।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति चिनफिंग पिछले छह वर्षों में ब्रिक्स, एससीओ सहित कई मंचों पर 18 बार मिल चुके हैं। 1988 में दशकों बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की बीजिंग यात्रा के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने चीन से आपसी संबंध बढ़ाने के लिए अब तक सबसे ज्यादा गंभीर प्रयास किए। दिसंबर 2019 में चीन के वुहान में कारोना वायरस का संक्रमण बढ़ना शुरू हुआ जो धीरे-धीरे पूरी दुनिया में फैल गया। इसके चलते विश्व भर में अब तक पांच लाख से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। यह संख्या बढ़ती ही जा रही है। आखिर इस पृष्ठभूमि में सीमा पर तनातनी पैदा करने के पीछे आखिर चीन के क्या उद्देश्य हो सकते हैं? इसके कई कारण नजर आते हैं। एक तो यह साफ है कि 2014 में मोदी सरकार के आने के बाद जिस निर्बाध गति से सीमा पर सड़क, पुल, वायुपट्टी का निर्माण करना प्रारंभ किया गया उससे चीन सशंकित हो गया। 2014 से पहले भारत ने सीमा पर आधारभूत संरचनाओं का निर्माण नाम मात्र का किया था। संप्रग सरकार के समय रक्षा मंत्री एके एंटनी इस तथ्य को लोकसभा में स्वीकार कर चुके हैं।

कश्मीर का मामला और पाकिस्तान-चीन संबंध भी तनातनी का एक और कारण लगता है। अगस्त 2019 में मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 को हटा दिया। पाकिस्तान दुनिया के तमाम मंचों पर इसके खिलाफ अपनी छाती पीटता रहा, लेकिन कोई सहयोग नहीं मिला। यहां तक कि इस्लामी देशों ने भी पाकिस्तान से मुंह फेर लिया। हालांकि चीन ने पाकिस्तान का साथ दिया, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान की दाल नहीं गली। 1999 में करगिल युद्ध हुआ था। उसमें पाकिस्तान ने आतंकी घुसपैठ कराई थी और पाकिस्तानी सेना सीधे तौर पर आतंकियों की मदद कर रही थी। हालांकि करगिल संघर्ष के दौरान प्रारंभ में चीन ने पाकिस्तान का साथ दिया, लेकिन बाद में पीछे हट गया। इसके बावजूद पाक-चीन गठजोड़ मजबूत होता गया। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री यूसुफ रजा गिलानी के मुताबिक पाकिस्तान-चीन संबंध हिमालय से ऊंचे, शहद से मीठे और सागर से गहरे हैं। हैरत नहीं कि कश्मीर पर पाकिस्तान की बेबसी को समाप्त करने के लिए भी चीन ने लद्दाख में आक्रामक रुख अपनाया हो। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा लद्दाख के करीब से ही गुजरता है। चीन ने 2013 से अपने पश्चिमी शहर काशगर को पाकिस्तान के पश्चिमी शहर ग्वादर से जोड़ने का काम शुरू किया है। इसमें दूसरी गंभीर व्यावहारिक अड़चनें आ रही हैं, ऊपर से कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाकर भारत ने उस क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत बना ली है। अब लद्दाख और जम्मू-कश्मीर अलग-अलग संघ शासित प्रदेश हो गए हैं। अनुच्छेद 370 को हटाते वक्त हुए संसदीय बहस में गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कहा था कि भारत अक्साई चिन समेत संयुक्त कश्मीर की एक-एक इंच जमीन वापस लेगा। चीन-पाकिस्तान गलियारा संयुक्त कश्मीर के गिलगित-बाल्टिस्तान से होकर गुजरता है। गिलगित-बाल्टिस्तान भारत की वैध भूमि है। अब भारत इसे भी वापस लेने की बात लगातार दोहरा रहा है। दरअसल चीन ने लद्दाख में जो आक्रमकता दिखाई उसके जरिये वह पाकिस्तान की सुरक्षा को आश्वस्त करना चाहता था। गिलगित का क्षेत्र सामरिक तौर पर काफी महत्वपूर्ण है। अगर यह भारत के कब्जे में आ जाता है तो मध्य एशिया के देशों अफगानिस्तान और यूरोप तक भारत भूमि मार्ग से भी जुड़ जाएगा, लेकिन इससे चीन की सारी महत्वाकांक्षाएं ध्वस्त हो जाएंगी। मोदी सरकार ने चीन की आक्रमकता का सामरिक और कूटनीतिक तौर पर जोरदार मुकाबला किया। शायद चीन को इसकी उम्मीद नहीं थी। अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और कई महत्वपूर्ण देशों ने इस संकट की घड़ी में चट्टान की तरह भारत का साथ दिया। एक तरह से चीन अपने ही बुने जाल में फंस गया और वह भी उस समय जब कोरोना के कारण वह सारी दुनिया में बदनाम है। वैश्विक जनमानस ने स्पष्ट तौर पर देखा कि चीन किस तरह विस्तारवाद में विश्वास करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने चीन की एशिया पर प्रभुत्व स्थापित करने की महत्वाकांक्षा पर कुठाराघात किया है।

पुलिस की बर्बरता को लेकर आज विश्व स्तर पर चर्चा आम

पुलिस की ज्यादती व बर्बरता को लेकर आज विश्व स्तर पर चर्चा आम है। अमेरिका में पुलिस हिरासत में जॉर्ज फ्लॉयड की मौत बड़ा मुद्दा बन गया है। लेकिन भारत में यह हमेशा जारी रहने वाला मुद्दा है, क्योंकि पुलिस हिरासत में रोजाना औसतन पांच व्यक्ति दम तोड़ते हैं, फिर भी सरकारें पुलिस सुधार को प्राथमिकता नहीं देती हैं। तमिलनाडु में पुलिस की बर्बरता का शिकार हुए पिता-पुत्र (जयराज व बेनिक्स) पर तो फिर भी राष्ट्रीय स्तर पर बहस, विरोध व चर्चा हो गई, लेकिन उन निर्दोष युवकों का क्या जो थाने की सलाखों के पीछे थर्ड डिग्री के कारण दम तोड़ देते हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि अमेरिका की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद पुलिस बर्बरता व व्यवस्था का पक्षपात फोकस में आया। इस बर्बरता के विरुद्ध अमेरिकी समाज अपनी प्रतिक्रिया में एकजुट रहा। लेकिन क्या इस प्रकार की प्रतिक्रिया अपने देश में होती है? नहीं। क्यों? डॉ. विपुल मुद्गल के अनुसार, भारत में हमारी प्रतिक्रियाएं अधिक स्थानीय होती हैं और अगर हिरासत में कोई मलिन बस्ती का व्यक्ति मारा जाए तो बहुत मुश्किल से मध्य वर्ग विरोध करने के लिए बाहर निकलता है।

हमारी पुलिस न सिर्फ अयोग्य व असंवेदनशील है, बल्कि वह गरीब विरोधी भी है। डॉ. मुद्गल कॉमन कॉज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं, जो पिछले दो वर्ष से सीएसडीएस-लोकनीति के साथ मिलकर हर साल स्टेट ऑफ पुलिसिंग रिपोर्ट (एसपीआइआर) निकाल रहा है। बहरहाल कैमरा-युक्त मोबाइल फोन के आने से एक फायदा यह अवश्य हुआ है कि पुलिस के लिए अब अपनी बर्बरता की कहानियों को अपनी अफसानवी रिपोर्टों में छिपा पाना कठिन हो रहा है। पारदर्शिता की अतिरिक्त परत आ गई है। जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या की बात शायद कभी प्रकाश में न आती अगर एक राहगीर ने अपने फोन से उसकी वीडियो न बनाई होती। जयराज-बेनिक्स मामले में भी पुलिस ने अपना अफसाना लिखने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी, अगर पिता-पुत्र के मित्रों ने अपने मोबाइल कैमरा का प्रयोग न किया होता (और एक महिला कांस्टेबल ने न्याय की खातिर अपने ही सहकर्मियों के विरुद्ध जाने का साहस न दिखाया होता)। लेकिन इसके बावजूद भारत में चिंता का विषय यह है कि पब्लिक अक्सर पुलिस हिंसा को स्वीकार कर लेती है, उसे समर्थन देती है। हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि पुलिस पर बहुत अधिक कार्यभार है, जिसे कम करने की जरूरत है। पुलिस का एक बड़ा हिस्सा खद्दरधारियों की चौकीदारी करने में लगा रहता है। साथ ही पुलिस महकमे में बड़ी संख्या में स्थान रिक्त पड़े हैं। एसपीआइआर की रिपोर्ट से मालूम होता है कि पुलिसकर्मी को दिन में औसतन 14 घंटे काम करना पड़ता है। यह कार्यभार निरंतर भर्ती से ही कम किया जा सकता है। इंफ्रास्ट्रक्चर भी चिंता का विषय है। बहुत से पुलिस स्टेशनों के लिए सरकार की तरफ से प्रति सप्ताह 50 लीटर डीजल ही निर्धारित है, इससे अधिक के खर्च की व्यवस्था थाने को स्वयं करनी पड़ती है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

एक और अंतर्राष्ट्रीय सम्मान!

मुंबई। अमेरिका की अकादमी यूनिवर्सल ग्लोबल पीस यूएसए और यूनाइटेड नेशन्स यूनिवर्सिटी फॉर ग्लोबल पीस यूएसए ने भारत की राजदूत डॉ. ताहेरा एहसान को इनके सराहनीय कार्य लिए उनको 'कोरोना वॉरियर्स फॉर ह्यूमिनिटेरियनवर्क' '20/2020' से सम्मानित किया।

महाराष्ट्र में अगले तीन महीने तक पांच रुपये में मिलती रहेगी शिवभोजन थाली

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने बुधवार को फैसला किया कि पांच रुपये में 'शिवभोजन' थाली की व्यवस्था अगले तीन महीनों के लिए जारी रहेगी। शिवसेना नेतृत्व वाली सरकार ने गरीबों को 10 रुपये मूल्य पर भोजन की थाली मुहैया कराने के लिए शिवभोजन योजना शुरू की थी। कोरोना वायरस संकट के कारण लोगों की परेशानी के मद्देनजर सरकार ने अप्रैल में पांच रुपये में थाली उपलब्ध कराने का फैसला किया। मंत्रिमंडल ने बुधवार को बैठक में फैसला किया कि अगले तीन महीनों के लिए पांच रुपये में ही खाना उपलब्ध होगा। एक विज्ञप्ति में बताया

गया कि वर्तमान में हर दिन एक लाख से ज्यादा थाली या खाने की बिक्री होती है। इस साल 26 जनवरी को योजना की शुरूआत के बाद से एक करोड़ से ज्यादा लोगों को इसका लाभ हुआ। विज्ञप्ति में कहा गया कि मंत्रिमंडल ने जुलाई और अगस्त के लिए गरीबी रेखा से ऊपर (एपीएल) के ऑरेंज राशन कार्ड धारकों को रियायती दर पर अनाज मुहैया कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय का नाम बदलकर कौशल विकास, रोजगार और उद्यमिता मंत्रालय करने का भी फैसला किया गया। बैठक में आईडीबीआई बैंक और महाराष्ट्र क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के साथ ही जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों को भी सरकारी बैंकिंग के लेन-देन की अनुमति प्रदान कर दी गई।

राजस्थान हलचल

इंडियन आर्मी ने की संदिग्ध 89 एप्स की लिस्ट जारी, तुरंत डिलीट करें जवान नहीं तो होगी कार्रवाई

संवाददाता/सैय्यद अल्ताफ हुसैन

बीकानेर राजस्थान। हाल ही में चीन से विवाद के बीच भारत ने 59 चीनी कंपनियों के एप पर बैन लगा दिए थे। वहीं, अब भारतीय सेना ने अपने जवानों को तत्काल प्रभाव से 89 एप्स को डिलीट करने का आदेश दिया है। ऐसा नहीं करने पर कार्रवाई करने की भी बात कही गई है। जानकारी के अनुसार सेना के अधिकारियों और जवानों को फेसबुक, इंस्टाग्राम समेत 89 को डिलीट करने के लिए कहा गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 89 एप्स की लिस्ट जारी की गई है, जिन्हें सैनिकों को अपने मोबाइल से हटाना होगा। इसके लिए 15 जुलाई तक का समय दिया गया है। कहा गया है कि जो जवान आदेश का पालन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी। बताया जा रहा है कि यह बड़ा और कड़ा फैसला संवेदनशील जानकारियों के लीक होने का हवाला देकर लिया गया है। खबर के मुताबिक, भारतीय सेना ने इसलिए यह कदम उठाया है कि, क्योंकि अधिकारियों और सैनिकों पर इन एप्स के जरिए चीन और पाकिस्तान ऑनलाइन निगरानी कर रही है। जिस के कारण कई जानकारियां भी लीक हो रही है और देश पर खतरा बढ़ रहा है।

यूपी: जिस्मफरोशी के बड़े कारोबारी पर शिकंजा

संवाददाता/सैय्यद अल्ताफ हुसैन

नई दिल्ली। यूपी- दिल्ली- गुड़गांव और मुंबई तक बड़ा गिरोह चलाने वाली संचालक धरी गई। 10 मुकदमों की वांछित और 15 हजार की इनामी रौशनी को गिरफ्तार कर लिया गया है। रौशनी अपने सहयोगी राहुल के साथ गिरफ़्तार हुई है। कई विदेशी लड़कियों का भी सौदा होता था। रौशनी की गिरफ्तारी के बाद कई सफेदपोशो की मुश्किलें भी बढ़ गई है। आरोपियों से बरामद फोन फॉरेंसिक जांच में भेजे गए हैं, कई कड़ियां सामने आई हैं। आगरा पुलिस आगे की जांच कर रही है।

महाराष्ट्र सरकार ने जुहू बीच में विक्रेताओं को पट्टे पर दी गई जगह के किराए में बदलाव किया

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने मुम्बई के जुहू बीच में खाद्य सामग्री विक्रेताओं को पट्टे पर दी गई जगह के किराए में बदलाव करने का निर्णय लिया है। सरकार ने एक बयान ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल की बुधवार को हुई बैठक में लिए गए निर्णय से सरकार के वार्षिक राजस्व में 6.38 करोड़ रुपये की कमी आएगी। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) का जुहू बीच पर 794 वर्गमीटर क्षेत्र पर स्वामित्व है जबकि 489.6 वर्गमीटर क्षेत्र राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। वहां लगी कुल 80 दुकानों में से 42 दुकानें एएआई के क्षेत्र में और 38 राज्य सरकार की जमीन पर हैं। कुछ समय पहले यहां के दुकान मालिकों की सहकारी समिति ने उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था और कहा था जुहू बीच पर पट्टे पर दी गई जगह का किराया बहुत अधिक है। बयान में कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार दुकान मालिकों की सहकारी समिति ने एएआई के साथ बैठक की और किराए की राशि को लेकर दोनों पक्ष सहमत हो गए।

(पृष्ठ 1 का शेष)

ईडी ने नीरव मोदी पर कसा शिकंजा

मार्च 2020 में ईडी ने नीरव मोदी की कई संपत्तियों को जब्त कर नीलाम किया था। इनमें महंगी पेंटिंग्स, घड़ी, पर्स, महंगी कारें, हैंडबैग जैसी चीजें शामिल थीं। ईडी के मुताबिक, इस नीलामी के दौरान करीब 51 करोड़ मिल थे। 13 हजार 700 करोड़ रुपए के पीएनबी घोटाले का आरोपी नीरव लंदन की वांड्सवर्थ जेल में है। भारत की अपील पर प्रत्यर्पण वारंट जारी होने के बाद लंदन पुलिस ने पिछले साल 19 मार्च को उसे गिरफ्तार किया था। उसकी जमानत अर्जी 5 बार खारिज हो चुकी। भारतीय एजेंसियां उसके प्रत्यर्पण की कोशिश में जुटी हैं। लंदन की एक अदालत में इस मामले की सुनवाई चल रही है। पिछले महीने लंदन की वेस्टमिंस्टर अदालत ने नीरव मोदी को 9 जुलाई तक और न्यायिक हिरासत में रखने का आदेश दिया था।

गैंगस्टर विकास दुबे उज्जैन से गिरफ्तार

हमने कानपुर पुलिस और एसटीएफ से बातचीत और तस्दीक के बाद विकास को उनके सुपुर्द किया है। हमने 8 घंटे उससे पूछताछ की है। पहले यह खबर आ रही थी कि उसे यूपी एसटीएफ चार्टर्ड प्लेन से लेकर रवाना हो गई। फिर यह सूचना आई कि उसे सड़क के रास्ते ले जाया जाएगा। विकास दुबे को गुरुवार सुबह उज्जैन मंदिर में करीब 9 बजे गिरफ्तार किया गया था। डरा हुआ हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तारी के वक्त चिल्ला रहा था कि मैं विकास दुबे हूं, कानपुर वाला। इसके बाद पुलिस उसे पहले महाकाल थाना, पुलिस कंट्रोल रूम, नरवर थाना और फिर पुलिस ट्रेनिंग सेंटर लेकर गई। यहां उससे करीब दो घंटे तक पूछताछ की गई। इस बीच, खबर आ रही है कि विकास की पत्नी ऋचा, उसके बेटे और नौकर को लखनऊ में हिरासत में लिया गया है। उज्जैन पुलिस ने लखनऊ के दो वकीलों को भी हिरासत में लिया है। ये अपनी निजी गाड़ी से वहां पहुंचे थे। इसके अलावा, उज्जैन में विकास को ठिकाना देने वाला एक शराब कारोबारी, उसका मैनेजर और दो अन्य लोग हिरासत में लिए गए हैं। इनसे पूछताछ की जा रही है। विकास ने गिरफ्तारी से पहले अपने मोबाइल पर कुछ वीडियो भी बनाए। इसके बाद जवानों ने उसे पकड़ लिया। एग्जिट मार्ग से बाहर ले जाकर चौकी में बैठा दिया। इसके बाद पुलिस के अफसरों को जानकारी दी। बाद में पुलिस उसे अज्ञात स्थान पर ले गई।

हर दिन आने लगे कोरोना हजारों केस

यह आंकड़ा अभी तक प्रदेश में आए कोरोना के कुल मरीजों की संख्या के 10 पर्सेंट से भी ज्यादा है। सिर्फ तीन दिन में ही कोरोना के इतने मामले आने के बाद प्रदेश सरकार ने सख्ती बढ़ाने का फैसला किया है और 10 जुलाई की रात से 13 जुलाई की सुबह तक लॉकडाउन लागू कर दिया है। गुरुवार को यूपी के प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि अब तक 21,227 मरीज पूरी तरह ठीक होकर घर जा चुके हैं। यूपी में अब तक कुल 32,362 लोग संक्रमित हुए हैं। प्रसाद ने बताया कि इस समय आइसोलेशन वार्ड में 9,983 लोगों को रखा गया है। इसके अलावा क्वारंटीन सेंटर में इस वक्त 4,160 लोग रखे गए हैं, जिनके नमूने लेकर उनकी जांच कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में बुधवार को 32,826 नमूनों की जांच की गई। राज्य में अब तक 10 लाख 36 हजार नमूनों की जांच की गई है

महाराष्ट्र सरकार का आदेश

2 घंटे ज्यादा खुले रहेंगे राज्य के बाजार और दुकान

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने पूरे राज्य में दुकान खोलने के समय को 2 घंटे के लिए और बढ़ा दिया है। इस कदम से महाराष्ट्र के छोटे व्यापारियों को काफी फायदा होगा। सरकार का यह आदेश उन सभी दुकानों पर लागू होगा जो कंटेनमेंट जोन के बाहर हैं। महाराष्ट्र सरकार ने कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए दुकानों को बंद रखने का आदेश दिया था। राज्य में अनलॉक की शुरूआत होने पर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक खोलने का आदेश दिया गया था। इस आदेश के बाद दुकानें खुलने लगी थी। व्यापारी संघटनों की तरफ से लगातार यह मांग हो रही थी कि समय सीमा को बढ़ाया जाए। सरकार ने इस मांग को स्वीकार करते हुए अब सभी व्यापारियों को शाम 7 बजे तक दुकान को खोलने की अनुमति दी है। महाराष्ट्र सरकार ने दुकानों को खोलने की समय सीमा बढ़ाने का फैसला मिशन बेगिन अगेन के तहत किया है। समय सीमा कम होने की वजह से कई बाजारों में लोगों की भारी भीड़ देखी जा रही थी। भीड़ से कोरोना के फैलने का खतरा भी था। इसलिए भीड़ को नियंत्रित करने के लिए भी यह फैसला जरूरी था।

ऑड-इवन फार्मूला के तहत खुलेंगी दुकानें: सरकार के आदेश के बाद अब बाजार रोजाना खोले जा सकते हैं। लेकिन दुकानों को खोलने के लिए ऑड-इवन फार्मूला का इस्तेमाल करना होगा इस कदम से बाजार में लोगों की भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास है। बाजारों में भीड़ बढ़ने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं होने पर उस बाजार को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया जाएगा। मार्केट एंड शॉप ओनर्स एसोसिएशन को इस बात का खास ख्याल रखना होगा। इसके पहले अनलॉक की शुरूआत में सरकार ने पुणे, औरंगाबाद, मालेगांव, धुले, जलगांव, सोलापुर, नागपुर और अमरावती जैसी जगहों पर दुकानों को खोलने का आदेश दिया था।

31 जुलाई तक लागू है लॉकडाउन: सरकार ने भले ही महाराष्ट्र में आर्थिक गतिविधियों को शुरू करने के लिए विशेष सहूलियत प्रदान की है लेकिन अभी राज्य में 31 जुलाई तक लॉकडाउन लागू है। सरकार ने होटल उद्योग को भी 8 जुलाई से 33 प्रतिशत की क्षमता के साथ शुरू करने की अनुमति दी है।

CORONA हवा से फैलता है

डब्ल्यूएचओ ने माना– कोरोनावायरस के हवा से फैलने के सबूत हैं

दो दिन पहले 32 देशों के 239 वैज्ञानिकों ने ऐसा ही दावा किया था

संवाददाता

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने हवा से कोरोनावायरस फैलने की बात स्वीकार कर ली है। डब्ल्यूएचओ की टेक्निकल लीड मारिया वान केरखोव ने कहा कि हम एयरबोर्न ट्रांसमिशन और एयरोसोल ट्रांसमिशन की संभावना से इनकार नहीं कर सकते हैं। डब्ल्यूएचओ ने पहले कहा था कि यह संक्रमण नाक और मुंह से फैलता है। इसके अलावा, संक्रमित सतह को छूने से भी यह ट्रांसमिट होता है। जिनेवा में प्रेस कॉन्फ्रेंस में डब्ल्यूएचओ की अफसर बेनेडेटा अल्लेग्रांजी ने कहा कि कोरोना के हवा के माध्यम से फैलने के सबूत तो मिल रहे हैं, लेकिन अभी हमें रिजल्ट तक पहुंचने में वक्त लगेगा। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जगहों में हवा से कोरोना संक्रमण फैलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। खासकर ऐसी जगहों पर जहां काफी भीड़ हो या फिर कोई जगह बंद हो। या ऐसा स्थान जहां हवा ठीक से आ-जा ना रही हो।

32 देशों के 239 वैज्ञानिकों ने कहा था- कोरोना हवा से भी फैल सकता है

पिछले दिनों 32 देशों के 239 वैज्ञानिकों ने दावा किया था कि कोरोना हवा से फैल सकता है। इन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) को पत्र लिखकर इन दावों पर गौर करने और दिशा-निर्देशों में बदलाव करने की गुजारिश की थी। इन वैज्ञानिकों ने अपनी रिसर्च के हवाले से बताया है कि नोवेल कोरोनावायरस यानी Sars COV-2 के छोटे-छोटे कण हवा में कई घंटों तक बने रहते हैं और वे भी लोगों को संक्रमित कर सकते हैं। इस पूरे मामले में लोग जहां डब्ल्यूएचओ को आड़े हाथ ले रहे हैं वहीं, इस शीर्ष संगठन का कहना है कि कोरोनावायरस हवा से नहीं बल्कि एयरोसोल और 5 माइक्रोन से छोटी ड्रापलेट्स से फैल सकता है। (एक माइक्रॉन एक मीटर के दस लाखवें हिस्से के बराबर होता है।)

हवा न भी चले तो भी कोरोना के कण 13 फीट तक फैलते हैं

दुनियाभर के एक्सपर्ट सोशल डिस्टेंसिंग के लिए 6 फीट का दायरा मेंटेन करने की सलाह दे रहे हैं। भारतीय और अमेरिकी शोधकर्ताओं की टीम का कहना है कि कोरोना के कण बिना हवा चले भी 8 से 13 फीट तक की दूरी तय कर सकते हैं। शोधकताओं के मुताबिक, 50 फीसदी नमी और 29 डिग्री तापमान पर कोरोना के कण हवा में घुल भी सकते हैं।

चौबीसों घंटे पुलिस सुरक्षा के घेरे में रहेगा बाबा साहेब आंबेडकर का घर

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के लिए उस वक्त लॉ एंड ऑर्डर की समस्या पैदा हो गई, जब कल स्वर्गीय डॉ.भीमराव आंबेडकर के निवास स्थान राजगृह पर अज्ञात लोगों ने तोड़फोड़ की। इस घटना में कोई भी हताहत नहीं हुआ। इस घटना के बाद महाराष्ट्र और देश में बाबासाहेब अंबेडकर के अनुयायियों के बीच में गुस्सा देखा गया। बाबासाहेब अंबेडकर के पौत्र प्रकाश अंबेडकर ने सभी देशवासियों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील। महामानव स्वर्गीय बाबासाहेब आंबेडकर मुंबई के दादर स्थित राजगृह में रहा करते थे। इस घटना के वक्त कल प्रकाश आंबेडकर राजगृह पर अपने परिजनों के साथ मौजूद थे। जबतक सभी लोग नीचे आते तब तक उपद्रवी तोड़फोड़ मचा कर जा चुके थे। तोड़फोड़ की यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

राज्य में सियासी पारा चढ़ा

इस घटना के बाद से राज्य का सियासी पारा भी अचानक चढ़ गया है। इस घटना की सभी राजनीतिक पार्टियों ने एक स्वर में निंदा की। महाराष्ट्र के गृह निर्माण मंत्री जितेंद्र आव्हाड राजगुरु पर जाकर के घटनास्थल का जायजा किया और यह कहा कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

24 घंटे पुलिस सुरक्षा तैनात की जाएगी

गृहमंत्री अनिल देशमुख ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने बाबा साहेब आंबेडकर के घर पर 24 घंटे पुलिस सुरक्षा देने का फैसला किया है। अनिल देशमुख ने यह भी बताया कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से दोषियों की शिनाख्त करने का प्रयास किया जा रहा है। आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया

मुंबई पुलिस ने इस घटना में एक अज्ञात व्यक्ति को अपनी हिरासत में लेकर के पूछताछ शुरू की है। माटुंगा पुलिस स्टेशन में इस घटना की एफआईआर दर्ज की गई है।

बिगड़ सकता था माहौल

इस घटना की जानकारी जैसे-जैसे लोगों को मिल रही थी वैसे-वैसे मुंबई पुलिस के लिए कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने की चुनौती भी बढ़ती जा रही थी। ऐसे में प्रकाश आंबेडकर की शांति बनाए रखने की अपील ने काफी काम आई। लोगों ने भी इस बात को समझा और शांति व्यवस्था को बनाए रखा। राजगृह पर हमले की यह कोई पहली वारदात नहीं है इसके पहले भी इस तरह की छुटपुट घटनाएं शरारती तत्व करते रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा– भारत में रिकवरी रेट बढ़कर 62.09% हुआ, प्रति 10 लाख की आबादी में से सिर्फ 15 मौतें

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कोरोना के हालात का अपडेट दिया। मंत्रालय के ओएसडी राजेश भूषण ने बताया कि कोरोना के एक्टिव केसों के मुकाबले रिकवरी 1.75 गुना ज्यादा है। देश में कोरोना से जितनी मौतें हुईं, उनमें से 53% मरीज 60 साल या इससे ज्यादा उम्र के थे। वहीं, कोरोना मरीजों के ठीक होने का रिकवरी रेट बढ़कर 62.09% हो चुका है। राजेश भूषण ने कहा कि डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, प्रति 10 लाख की आबादी में हमारे यहां 538 केस हैं, कुछ देशों में यह आकंड़ा 16-17 गुना ज्यादा है। मौतों की संख्या भी भारत में सबसे कम है। देश में प्रति 10 लाख की आबादी में से सिर्फ 15 मौतें हो रही हैं, जबकि कुछ देशों में यह आंकड़ा 40 गुना ज्यादा है। भारत में अभी कम्युनिटी ट्रांसमिशन की स्टेज नहीं आई है।

दिल्ली में रिकवरी रेट पिछले 30 दिन में डबल हुआ: गृह मंत्रालय की संयुक्त सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने बताया कि दिल्ली में काफी सुधार हुआ है। वहां रिकवरी रेट पिछले 30 दिन में डबल होकर 72% पहुंच गया है। दिल्ली में अब रोज 20 हजार टेस्ट किए जा रहे हैं। दिल्ली में अभी 23,452 एक्टिव केस हैं। आईसीएमआर की सीनियर साइंटिस्ट निवेदिता गुप्ता ने बताया कि देश में हर रोज 2.6 लाख सैंपल टेस्ट किए जा रहे हैं। आने वाले दिनों में टेस्टिंग और बढ़ने की उम्मीद है। देश में अभी 1,132 टेस्टिंग लैब ऑपरेशनल हैं। प्राइवेट लैब्स अब नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लैबोट्रीज (एनएबीएल) के लिए एप्लाई कर सकते हैं। एक महीने यह प्रोसेस पूरा किया जा सकता है।

नेपाल में भारतीय चैनल बैन: नेपाल में दूरदर्शन को छोड़ बाकी सभी न्यूज चैनल बैन

काठमांडू। नेपाल में दूरदर्शन को छोड़कर बाकी न्यूज चैनलों को बैन कर दिया गया है। सूचना और प्रसारण मंत्री युबराज खाटीवाडा ने गुरुवार को इसकी सूचना दी। उन्होंने कहा कि ये चैनल हमारे खिलाफ प्रोपोगैंडा फैला रहे हैं और हमारे नेताओं पर सवाल उठा रहे हैं। इस बीच, खबर है कि चीनी राजदूत होउ यांगकी और नेपाल के शीर्ष नेताओं के बीच बैठकों का दौर बढ़ता जा रहा है। चीनी राजदूत ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के चेयरमैन पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड से मुलाकात की। इससे पहले नेपाली मीडिया के हवाले से पूर्व उप-प्रधानमंत्री और एनसीपी के प्रवक्ता नारायणकाजी श्रेष्ठ ने भारतीय मीडिया को जमकर कोसा। उन्होंने कहा कि नेपाल सरकार और प्रधानमंत्री ओली के खिलाफ भारतीय मीडिया ने दुष्प्रचार की सारी हदें पार कर दी हैं। अब यह बहुत हो रहा है। इसे बंद करना चाहिए। खबर के अनुसार, नेपाली राजदूत ने गुरुवार को प्रचंड के साथ उनके निवास पर मीटिंग की, लेकिन दोनों ने मीटिंग के संबंध में कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। होउ ने हाल ही में राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी, पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल, झलनाथ खना, सरकार के मंत्री समेत सत्तारूढ़ पार्टी के कई नेताओं से भी मुलाकात कर चुकीं हैं। हालांकि काठमांडू में एक के बाद एक सत्तारूढ़ पार्टी नेताओं से चीनी राजदूत की बैठक से सियासी पारा चढ़ता ही जा रहा है। माना जा रहा है कि चीन पार्टी में चल रहे विवाद की खाई को पाटने की कोशिश का रहा है।

रेलवे का निजीकरण, पद कटौती, छात्रों को करोना राहत पैकेज देने को लेकर आइसा–इनौस ने निकाला प्रतिरोध मार्च

छात्र-नौजवान विरोधी फैसला सरकार वापस ले अन्यथा तेज होगा आंदोलनः सुनील

संवाददाता

समस्तीपुर। आइसा-इनौस के दर्जनों कार्यकताओं ने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए कोरोना महामारी के बीच रेलवे के डेढ़ सौ से अधिक ट्रेन को निजी हाथों में सौंपने तथा 50% पद समाप्त करने के खिलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत शहर के पटेल मैदान गोलंबर पर जुटकर प्रतिवाद मार्च निकालकर जो जुलूस की शक्ल में स्टेडियम मार्केट होते हुए एसडीओ कार्यालय तक गया।

प्रतिरोध मार्च में शामिल छात्र रेलवे का निजीकरण बंद करो, एसटेट का परीक्षा ऑफलाइन मोड में लो', पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान करो, लॉज-हॉस्टल के छात्र तथा कोचिंग-प्राइवेट स्कूल

के शिक्षकों को राहत पैकेज दो' आदि गगनभेदी नारे लगा रहे थे। प्रतिवाद मार्च को संबोधित करते हुए जिला सचिव सुनील कुमार ने कहा कि कोरोना संक्रमण का बढ़ता मामला केंद्र व राज्य सरकार की नाकामी को दिखाता है। इस संक्रमण की आड़ में सरकार रेलवे के निजीकरण,पद कटौती, विश्वविद्यालय की परीक्षा लेने जैसा बेतुका फरमान जारी किया है। इसे वापस लेना होगा साथ ही सभी छात्रों, कोचिंग, प्राइवेट स्कूल के शिक्षक को राहत पैकेज तथा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान करना होगा अन्यथा आइसा आंदोलन को तेज करेगी। अंत में प्रतिवाद मार्च समाहरणालय पर पहुंच सभा में तब्दील हो गया। मौके पर सभा का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता इनौस के जिला अध्यक्ष राम कुमार तथा संचालन आइसा जिला अध्यक्ष लोकेश राज ने किया। सभा के बाद 3 सदस्यीये प्रतिनिधिमंडल के सदस्य रामकुमार, सुनील कुमार, अशिषदेव ने जिलाधिकारी को मांगों से संबंधित स्मार-पत्र सौंप कर इस पर यथाशीघ्र कारबाई करने का मांग किया। वहीं प्रतिरोध मार्च में शामिल आइसा जिला सह-सचिव प्रीति कुमारी, उपाध्यक्ष मनीषा कुमारी, द्रख्शा जबी, रविशंकर कुमार भारती, मो. जावेद, चंद्रवीर कुमार, कृष्णा कुमार, रोशन कुमार, अनिल कुमार, मोज्जकिर रहमान, रवि कोहली, धीरज कुमार, आशीष देव, सुबोध कुमार, आइसा- इनौस जिला प्रभारी सह भाकपा माले नेता सुरेन्द्र प्रसाद सिंह, रामचंद्र पासवान इत्यादि छात्र मौजूद थे।

दबंगो ने महिला को पीट पीटकर मार दिया, आक्रोशित ग्रामीणों ने एन एच 28 को किया जाम

संवाददाता

वैशाली। पातेपुर प्रखंड थाना बलीगांव जिला वैशाली पंचायत के चकजादो पोस्ट बेला दरगाह में देर रात एक हत्या का ममला सामने आया है। मोके पर पहुंची पुलिस। सुरेन्द्र पासवान कि पत्नी सुशीला देबी जिस कि हत्या कर दी गई। दिपक जो सुशीला देवी का पुत्र हैं उसका कहना है कि देर रात उमेश राय उसके बहन के घर आया था। अन्य लोगों के साथ शराब पी रहा था। जब दीपक ने विरोध किया तो आपस में नोक झोकं गली गलोज शुरू ही गई। जानकारी मिलने पर पुलिस प्रशासन बलीगांव थाना प्रभारी पहुंचे तो दोनों को समझाने के बाद

मामला शांत हो गया। लेकिन देर रात्रि को उमेश राय ओर अपने साथी के साथ तलवार और अन्य हथियार के साथ सुशीला देबी के घर पहुंच गए। दिपक और उमेद राय में हाथापाई होने लागा जब सुशीला देबी बचाने के लिए गई तब उसे बहुत बेरहमी से मार कर जान से मार डाला और वहां से भाग निकले। आक्रोशित ग्रामीणों ने नेशनल हाइवे 28 को सुबह जाम कर दिया। सूचना मिलते ही पातेपुर थाना एवं तिसियौता थाने की पुलिस पहुँचकर आक्रोशित ग्रामीणों को समझाने का प्रयास कर रहे थे।वंही आक्रोशित ग्रामीण हत्यारे को गिरफ्तार करने की मांग कर रहे थे। घटना की सूचना पर पहुँचे पुलिस अगर अपराधी को गिरफ्तार कर लिया होता तो इतनी बड़ी घटना नही होती। अपराधी बेलगाम है। पुलिस की लापरवाही व उदासीनता के कारण दबंगो ने महिला को पीट पीटकर हत्या कर दिया।लेकिन प्रसाशन मौन बना बना हुआ है।

मशरूम के बिस्किट एवं नमकीन तथा मधु के उत्पाद का किया लोकार्पण

समस्तीपुर/पुसा। डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय की ओर से बिहार में कृषि एवं सम्बन्ध क्षेत्रों में इंटरप्रेन्योशिप को बढ़ावा देने के लिए एग्रीवेंचर फार्म एंड आर्गेनिक लिमिटेड तथा विश्वविद्यालय के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गये। इस एमओयू के अनुसार विश्वविद्यालय की तकनीकों और कृषि उत्पादो की पैकेजिंग एवं विपनण एग्रीवेंचर फार्म एंड आर्कनिक लिमिटेड की ओर से किया जायेगा। इस अवसर पर खुशी जताते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति डा0 रमेश चन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय में फरवरी महीने में ही छुट अप फेसिलिटेशन सेंटर का उदघाटन किया गया था और कोविड के दौरान आज इसकी सबसे ज्यादा जरूरत आन पड़ी है। उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री मोदी भी स्थानीय उत्पादो के निर्माण और उपयोग पर जोर दे रहे हैं। ऐसे में यह सेंटर निश्चित ही समायानुकूल है। टाट अप सेंटर के निदेशक डा0 मृत्यंजय कुमार सिंह की प्रशंसा करते हए डॉ0 श्रीवास्तव ने कहा की लगातार मेंहनत करके टीट अप शुरू करने वाले युवाओं को आगे लाने का काम किया है। उन्होंने कहा की वे चाहते है कि आरपीसीएयू ब्रांड का उत्पाद हर रेलवे स्टेशन और मॉल पर बिके और इसके लिए प्रयास

शुरू कर दिए गये हैं। इस अवसर पर कुलपति ने मशरूम के बिस्किट एवं नमकीन तथा मधु के उत्पाद को भी लाँच किया जिसका विपणन एग्रीवेंचर के सहयोग से किया जायेगा। कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए निदेशक आधार विज्ञान एवं मानविकी संकाय के निदेशक डा0 सोमनाथ राय चौधरी ने कहा कि कुलपति डॉ0 श्रीवास्तव इस कोविड के दौरान भी लगातार चौदह पंद्रह घंटे विश्वविद्यालय के लिए काम करते रहते है। उनकी योजनाओ को पूरा करने के लिए वैज्ञानिक हर संभव प्रयास कर रहे है। कार्यक्रम को फेसिलिटेशन के निदेशक डॉ0 मृत्यूंजय कुमार, निदेशक कम्यूनिटी साइंस डॉ0 मीरा कुमार ने भी संबोधित किया। डॉ0 मीरा कुमार ने बताया कि कुलपति के निर्देश पर हर्बल गुलाल का उत्पादन विश्वविद्यालय कर रहा है और इसके मार्केटिंग के लिए योजना तैयार की जा रही है। कार्यक्रम में सह निदेशक अनुसंधान डॉ0 एनके सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान निदेशक शिक्षा डॉ0 एमएन झा, निदेशक कृषि, डॉ0 केएम सिंह, निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ0 एमएस कुंडू सहित विभिन्न वैज्ञानिक एवं कर्मचारी मौजूद थे। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ0 सुलेखा ने किया।

समस्तीपुर हलचल

आबकारी विभाग की टीम ने की छापेमारी भारी मात्रा में शराब बरामद

समस्तीपुर। ताजपुर एवं मुसरीघरारी थाना क्षेत्र की सीमा पर गरुवार को बुनियादी विद्यालय मोरवा राय टोली से आबकारी विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद किया है। रॉयल स्टैग एवं इंपोरियम बुलु की लगभग डेढ़ सौ कार्टून विदेशी शराब बरामद किया है। विदित हो कि मोरवा प्रखंड में विधालयो को शराब कारोबारी ने शराब

रखने का अपना सुरक्षित स्थान बना लिया है। इससे पूर्व में भी शराब धंधे वालों ने अपना सुरक्षित अड्डा समझते हुए कारोबार का गुप्त स्थल बना लिया है। इससे कुछ दिन पहले मध्य विद्यालय मरिचा से हलई ओपी पुलिस ने भारी मात्रा में शराब बरामद किया था। शिक्षा के मंदिर को भी शराब कारोबारी ने भी नही बक्शा। बताया जाता है कि समस्तीपुर विभाग के एक्साइज पदाधिकारियों की टीम ने छापेमारी करते हुए भारी मात्रा में शराब बरामद किया है।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय की छात्रा को मिली नौकरी

समस्तीपुर। डा0 राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुमारी प्रगति को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण में 60 हजार रुपए प्रति महीने की नौकरी मिली है। कुलपति डा0 रमेश चन्द्र श्रीवास्तव ने प्रगति को नौकरी मिलने पर बधाई दी और कहा कि विश्व विद्यालय लगातार छात्र हित में कार्य कर रहा है। छात्रों की पढ़ाई, होस्टल में अच्छे रहन सहन तथा पौष्टिक भोजन से लेकर प्लेसमेंट तक को लेकर वे हमेशा जानकारी लेते रहते हैं और अधिकारियों को उचित निर्देश देते रहते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हे उम्मीद है कि छात्र न सिर्फ अपना नही बल्कि विश्व विद्यालय का भी नाम रौशन करेंगे और समाज की सेवा करेंगे। प्रगति, प्लांट ब्रीडिंग विभाग में स्नातकोत्तर की छात्रा हैं। निदेशक शिक्षा डा0 एमएन झा ने भी प्रगति को बधाई दी और कहा कि कुलपति हमेशा छात्रों के भविष्य को लेकर छात्र केंद्रीत योजनाओं पर जोर देते हैं। उन्होंने प्लेसमेंट सलाहकार राजकमल वर्मा को भी बधाई दी। प्रगति के अच्छी सैलरी पर हुई नियुक्ति से विश्व विद्यालय के छात्रों में बेहद हर्ष देखा जा रहा है।

ट्रक ने ली फल विक्रेता की जान

वारिसनगर। समस्तीपुर की ओर तेज रफ्तार से जा रही एफसीआई की ट्रक ने मथुरापुर घाट के गोलंबर के समीप एक व्यक्ति को कुचला जिससे मौके पर हुई मौत। मृतक की पहचान अकबरपुर निवासी राम दास के 55 वर्षीय पुत्र मनोहर दास के तौर पर की गई है। मिली जानकारी के अनुसार समस्तीपुर से ओर से तेज रफ्तार ट्रक मथुरापुर गोम्बर के पास सड़क पार कर रहे मनोहर दास को अपने चपेट में ले लिया जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। जानकारी मिलने पर मथुरापुर थाना प्रभारी संजय कर सिंह अपने टीम के साथ मौके पर पहुंच कर लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। वही एफसीआई की ट्रक को पुलिस ने जप्त कर लिया है। बताया जाता है कि मृतक राम मनोहर दास जो अकबरपुर निवासी है वह फल बेचने का काम करता था।

मास्क नहीं पहने पर वसूला गया जुर्माना

संवाददाता

समस्तीपुर। जिले के सिंघिया प्रखंड स्थित बाजार में प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोरमा कुमारी एवं थाना अध्यक्ष पंकज कुमार द्वारा संयुक्त रूप से जांच अभियान चलाकर बिना मास्क पहनकर चलने वाले बाइक सवार ऑटो टेंपो अल्टो बस चालक के अलावे कई लोगों से 50 रुपये जुर्माना वसूल कर मास्क दिया गया तथा घर से बाहर निकलने पर मास्क पहनकर निकलने के लिए जागरूक किया गया। इस दरमियान सिंघिया 3 के सरपंच नंद किशोर सिंह एवं प्रखंड नाजीर रामेश्वर शर्मा भानू पंडित से भी 50 रुपये जुर्माना वसूल कर मास्क दिया गया है उक्त जांच अभियान जिलाधिकारी समस्तीपुर के शशांक शुभंकर के निर्देश पर की गई है उक्त जांच अभियान में जीपीएस पवन सिंह अंजेश कुमार एएसआई सुबोध कुमार के अलावे कई पुलिस बल शामिल थे।इस प्रकार जांच किये जाने पर बाजार के स्थानीय लोग भी मास्क पहनना शुरू कर दिया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

गलत तरीके से खाएंगे तो ये हैल्दी चीजें भी शरीर को पहुंचाती है नुकसान

आमतौर पर सभी सब्जियां और फल शरीर के लिए फायदेमंद होते है लेकिन गलत होता है इनको खाने का तरीका। जिस वजह से यह फल और सब्जियां शरीर को फायदे की जगह नुकसान पहुंचा सकते है। इसलिए इनको खाने का सही तरीका पता होना चाहिए तभी यह शरीर को सही पोषण दे सकते है। हम आपको कुछ ऐसे ही फल और सब्जियों को खाने का सही तरीका बताएंगे।

1. आलू

आलू तभी तक पोषक त्तवों से भरपूर होता है जब तक वह हरा न हो जाएं क्योंकि जब आलू का रंग हरा हो जाता है तो ग्लाइकोलकैलॉएड नामक विषाक्त पदार्थ जमा हो जाता है जो शरीर को नुकसान पहुंचाता है।

2. बादाम

वैसे तो बादाम सेहत के लिए काफी फायदेमंद है लेकिन कुछ बादाम ऐसे होते है जिनका टेस्ट कड़वा होता है। कड़वे बादाम में सायनाइड जैसे विषाक्त पदार्थ होते है जो शरीर के लिए घातक साबित होता है। इसलिए कड़वे बादाम को खाने से बचें।

3. चेरी

चेरी कई रंगों में मिलती है जिनमें विटामिन्ट और मिनरल्स भरपूर मात्रा में होते है लेकिन इसके बीच काफी नुकसानदय होते है। चेरी के बीच में हाइड्रोजन सायनाइड होता है जो सेहत को नुकसान पहुंचाता है।

4. टमाटर

टमाटर की पत्तियां और तने बहुत ही हानिकारक होते हैं। इनमें विषाक्त पदार्थ पाए जाते हैं। बेहतर होगा कि टमाटर की पत्तियों और तने से परहेज बनाएं रखें।

5. मशरूम

मशरूम सेहत के लिए काफी फायदेमंद है लेकिन मशरूम की कुछ प्रजातियां हमारी सेहत के लिए नुकसानदायक है। इसलिए मशरूम खाने से पहले इसकी गुणवत्ता जांच लें।

चेहरे की झुर्रियों से हैं परेशान, तो अपनाएं ये 5 घरेलू नुस्खे

बढ़ती उम्र के साथ चेहरे पर झुर्रियां आना स्वभाविक है। आंखो के आसपास की त्वचा बेहद नर्म और मुलायम होती है, जिस वजह से यह जल्दी ढीली होने लगती है। जब आप हंसते है तो आपकी आंखों के आसपास झुर्रियां साफतौर पर देखी जा सकती है। इन झुर्रियों पर कोई कैमिकल युक्त क्रीम लगाने की बजाय आपको नैचुरल और घरेलू तरीके अपनाने चाहिए। आज हम आपको ऐसे ही कुछ घरेलू उपाएं बता रहे जिससे आप अपने चेहरे की झुर्रियों से निजात पा सकते हैं।

क्या हैं ये उपाएं:-

- कॉफी के बीज

कॉफी सिर्फ पीने में ही अच्छी नहीं होती, बल्कि इसमें कई ऐसे गुण मौजूद हैं, जो हमारी त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। यह एक ऐसी शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट प्रक्रिया है जो आपकी त्वचा की फाइन लाइन को इम्प्रूव करती है और इसे झुर्रियों से बचाती है।

- नारियल तेल

झुर्रियों पर नारियल तेल लगाने से आपकी त्वचा को जरूरी नमी मिलती है। इसमें विटामिन ई और जरूरी एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो त्वचा के रीहायड्रेशन में मदद करता है। सबसे बढ़ियां तरीका है कि आप नारियल तेल से अपने चेहरे की 5 से 10 मिनट मसाज करें और इसे रातभर के लिए ऐसे ही रहने दें। यह आपके चेहरे की फाइन लाइन को ठीक करेगा और झुर्रियां भी कम होगी।

- जैतून तेल

जैतून के तेल से भी आप अपने आंखों के आस-पास की झुर्रियों को कम कर सकते हैं। इसमें विटामिन ई और के प्रचूर मात्रा में होता है। चेहरे पर ग्लो पाने के लिए आप इसमें नीबू की कुछ बूंदे मिलाकर भी मसाज कर सकते हैं।

- दही

दही भी झुर्रियां हटाने के कारगार उपाए है। एक चम्मच दही में 1 चम्मच शहद और रोज वॉटर की कुछ बूंदे मिलाकर एक पेस्ट तैयार करें। फिर इसे चेहरे पर लगाकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। आप खुद ही अपनी त्वचा में एक बदलाव महसूस करेंगी।

- मिल्क पाउडर

मिल्क पाउडर में कुछ बूंदे रोज वॉटर की मिलाए और इसे 20 मिनट तक चेहरे पर लगाकर रखें। यह आपके चेहरे की झुर्रियों के लिए असरदार उपाए है।

त्वचा और बालों की कई समस्याएं दूर करता है Aloe vera

एलोवेरा एक ऐसा पौधा है जो लगभग हर घर में पाया जाता है। इसमें मौजूद अमीनो एसिड और विटामिन्स शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। एलोवेरा के पौधे से निकलने वाला जैल त्वचा की कई समस्याओं को दूर करता है। यह मार्किट में आसानी से मिल जाता है और यह सिर्फ स्किन ही नहीं बालों को भी फायदा पहुंचाता है। आइए जानिए एलोवेरा से मिलने वाले लाभ

1. सूरज की किरणों से बचाए

अक्सर धूप में बाहर निकलने से पहले महिलाएं चेहरे पर सनसक्रीन लोशन का इस्तेमाल करती हैं। इसकी बजाए त्वचा पर एलोवेरा जैल भी लगा सकते हैं जिससे सूरज की किरणें स्किन को नुकसान नहीं पहुंचा सकेंगी और टैनिंग की समस्या भी नहीं होगी।

2. चोट लगने पर

शरीर के किसी भी हिस्से पर चोट लगने पर एलोवेरा जैल लगा सकते हैं। इसमें मौजूद एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण घाव को जल्दी भरने में मदद करते हैं। इसके अलावा रसोई में काम करते समय अगर हाथ जल जाए तो उस पर भी जैल लगा सकते हैं जिससे जलन कम होगी।

3. स्ट्रैच मार्क्स

प्रैग्नेंसी के बाद महिलाओं के पेट पर स्ट्रैच मार्क्स पड़ जाते हैं जिन्हें हटाने के लिए एलोवेरा जैल का इस्तेमाल कर सकते हैं। स्ट्रैट मार्क्स के निशानों को हल्का करने के लिए रोजाना उन पर जैल से मालिश करें।

4. झुर्रियां

बढ़ती उम्र के साथ ही चेहरे पर झुर्रियों के निशान पड़ जाते हैं जिससे खूबसूरती खराब हो जाती है। ऐसे में रोजाना एलोवेरा जैल से चेहरे की मसाज करें जिससे यह त्वचा को टाइट करके झुर्रियां कम करने में मदद करता है।

5. बालों की समस्या

एलोवेरा जैल से बालों की कई समस्याएं दूर होती हैं। झड़ते बाल, डैंड्रफ या रूखे बाल होने पर नारियल तेल में एलोवेरा जैल मिक्स करके बालों की मसाज करें और इसके बाद शैंपू से सिर धो लें। हफ्ते में दो बार ऐसा करने से बाल सुंदर और मजबूत हो जाएंगे।

6. ग्लोइंग स्किन

एलोवेरा जैल चेहरे के मुहांसों और दाग-धब्बों को साफ करने में मदद करता है। इसके अलावा एलोवेरा जूस का भी सेवन कर सकते हैं। यह शरीर के विषैले पदार्थों को बाहर निकाल कर त्वचा में निखार और चमक लाता है।

7. सफेद और मजबूत दांत

कई बार ब्रश करते वक्त मसूढ़ों में से खून आने लगता है और काफी दर्द भी महसूस होता है। ऐसे में एलोवेरा जैल से दांतों को साफ करें जिससे दांत मजबूत भी होंगे और चमक भी जाएंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मेगन मार्कल-मिशेल ओबामा के साथ खास इवेंट में शामिल होंगी प्रियंका चोपड़ा

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से ये ऐलान किया कि वह जल्द ही प्रभावी महिला नेताओं और दुनिया के कुछ सबसे पॉपुलर सेलेब्रिटीज को वर्चुअल 'गर्ल अप लीडरशिप सम्मिट 2020' में जॉइन करेंगी। इन महिला एक्टिविस्ट्स की फेहरिस्त में मेगन मार्कल और मिशेल ओबामा जैसी दिग्गजों का भी नाम शामिल है। इसका हिस्सा बनने वाली सभी हस्तियों के नाम और उनकी तस्वीरें शेयर करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने लिखा, उनका बैकग्राउंड क्या रहा है इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, लड़कियों में खुद को, अपने समुदाय को और अपने आसपास की दुनिया को रूपांतरित करने की शक्ति होती है। वर्चुअल वर्ल्ड 2020 में मुझे जॉइन कीजिए।

अभिनेत्री साक्षी अग्रवाल का जन्मदिन शानदार तरीके से मनाया गया

मॉडल व अभिनेत्री साक्षी अग्रवाल का जन्मदिन इस वर्ष चंडीगढ़ में उनके परिवार के साथ बड़े ही शानदार तरीके से मनाया गया। साक्षी ने इस दौरान व्हाईट कलर का आउटफिट पहनी थी और काफी खूबसूरत लग रही थी। साक्षी अपना जन्मदिन दो दिन पहले मनाती हैं यानी कि 7 जुलाई को...क्योंकि उनको अपने जन्मदिन की शुरूआत मंदिर में भगवान के दर्शन करके और फिर कुछ जरूरतमंदों की मदद करके करनी पसंद है। लेकिन उनको की गई मदद के बारे में मीडिया या लोगों में बताना बिल्कुल पसंद नहीं है। उनका कहना है कि अगर हम किसी की मदद करके दिखावा करें तो हम सभी लोगों को शर्मिंदा करते हैं। जिससे शायद उनके आत्म सम्मान को ठेस लगती है। इसलिए यह किये गये सहयोग की फोटो या मीडिया में इस पर कोई बातचीत नहीं करती हैं। उनका मानना है मदद करो पर चर्चा नहीं। इस लॉकडाउन के समय हमारी उनसे बात हुई तो उन्होंने कहा कि सुरक्षित रहो...घर पर रहो... बहुत ज्यादा जरूरत पर ही बाहर निकलो, और दूसरों को भी सुरक्षित रखो। हर रात के बाद सुबह आती है, बस धैर्य रखो।

माधुरी दीक्षित ने बताया था अक्षय का सीक्रेट

माधुरी दीक्षित और अक्षय कुमार बॉलिवुड के टैलंटेड ऐक्टर्स में से एक हैं। हालांकि, दोनों ने ज्यादा फिल्मों में साथ काम नहीं किया है। फिल्म 'आरजू' में अक्षय और माधुरी को साथ काम करने का मौका मिला और 'दिल तो पागल है' में कैमियो रोल में थे अक्षय कुमार। अपने एक इंटरव्यू में माधुरी ने अक्षय का एक ऐसा किस्सा शेयर किया था जिसके बारे में शायद ही किसी फैन ने पहले कुछ सुना हो। माधुरी ने अपने इस पुराने इंटरव्यू में अक्षय से जुड़ा मजेदार सीक्रेट शेयर किया था। उन्होंने कहा था कि खिलाड़ी कुमार अक्षय लोगों की घड़ियां चुरा लेते हैं। उन्होंने बताया था कि वह ये काम इस तरह करते हैं कि सामने वाले को इसका पता भी नहीं चलता। माधुरी ने एक रिऐलिटी शो के सेट पर भी ये बातें कही थीं और कहा कि उन्होंने उन्हें ये सब करते देखा है। उन्होंने कहा था कि शक्ल से जितने ये भोले दिखते हैं उतने ही शरारती हैं।